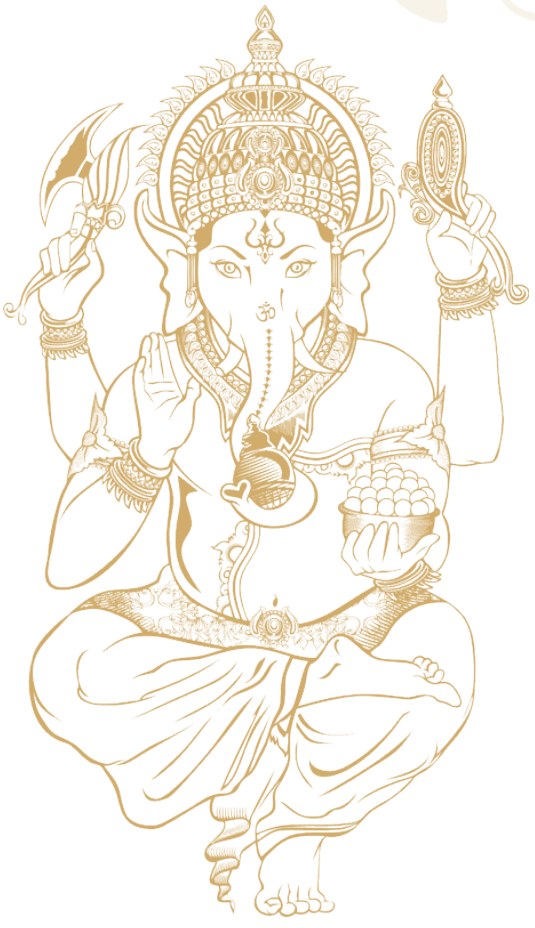

Mr.Sourabh Jhariya

Ms.Pratibha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120088102

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/11/1995	जन्म तिथि	23/12/1997
बुधवार	दिन	मंगलवार
घंटे 06:30:00	जन्म समय	19:03:00 घंटे
घटी 00:04:06	जन्म समय(घटी)	30:37:09 घटी
India	देश	India
Jabalpur	स्थान	Betul
23:10:00 उत्तर	अक्षांश	21:55:00 उत्तर
79:57:00 पूर्व	रेखांश	77:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:10:12	स्थानिक संस्कार	-00:18:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:28:21	सूर्योदय	06:53:48
17:24:03	सूर्यास्त	17:41:16
23:48:04	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:39

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 7वर्ष 7मा 25दि		05:01:15	वृश्चि	लग्न	मिथु	27:01:39	मंगल 5वर्ष 7मा 27दि	
बुध		05:26:23	वृश्चि	सूर्य	धनु	07:55:52	गुरु	
18/07/2022		26:57:22	तुला	चंद्र	कन्या	25:53:11	21/08/2021	
18/07/2039		29:45:54	वृश्चि	मंगल	मक	10:18:44	21/08/2037	
बुध	13/12/2024	04:45:48	वृश्चि	बुध व	वृश्चि	24:32:13	गुरु	09/10/2023
केतु	11/12/2025	26:38:59	वृश्चि	गुरु	मक	26:42:47	शनि	21/04/2026
शुक्र	10/10/2028	29:20:38	वृश्चि	शुक्र	मक	09:53:24	बुध	27/07/2028
सूर्य	17/08/2029	24:11:39	कुंभ	शनि	मीन	19:45:11	केतु	03/07/2029
चन्द्र	16/01/2031	02:25:27	तुला व	राहु व	सिंह	19:45:55	शुक्र	03/03/2032
मंगल	13/01/2032	02:25:27	मेष व	केतु व	कुंभ	19:45:55	सूर्य	20/12/2032
राहु	02/08/2034	03:37:20	मक	हर्ष	मक	12:51:06	चन्द्र	21/04/2034
गुरु	07/11/2036	29:35:49	धनु	नेप	मक	04:48:56	मंगल	28/03/2035
शनि	18/07/2039	06:38:36	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	12:38:16	राहु	21/08/2037

लग्न-चलित

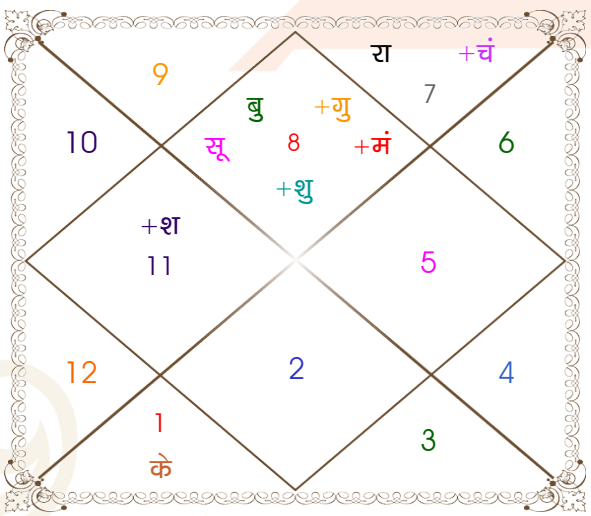

लग्न-चलित

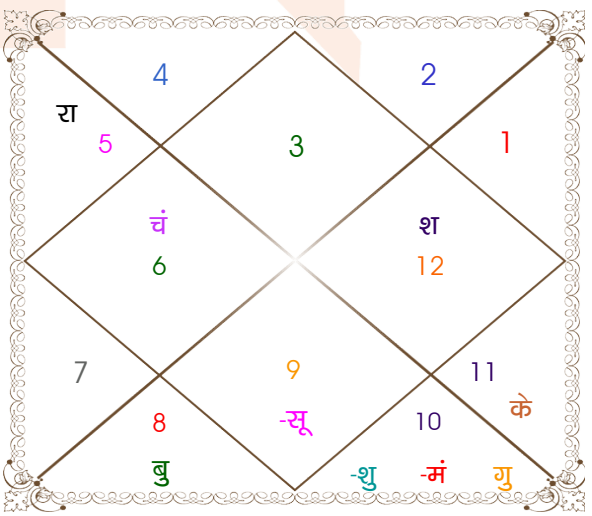

Shri Dadaji Jyotish kendra
Shop No 05, Sanskrit Mahavidyalaya Parisar Itarsi
8871726789
dadajiJyotishkendra@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	व्याघ्र	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतैवनतंझी श्रींतपलं का वर्ग सर्प है तथा Ms.Pratibha का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतैवनतंझी श्रींतपलं और Ms.Pratibha का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतैवनतंझी श्रींतपलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतैवनतंझी श्रींतपलं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु डतैवनतंझी श्रींतपलं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.Pratibha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.Pratibha कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms.Pratibha कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.Pratibha कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतϋवनतंझी श्रींतपलं तथा Ms.Pratibha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।